आप यहाँ से सिर्फ 20 मिनट की 3mb की ऑडियो mp3 मुरली डाउनलोड करके अच्छी तरह सुनके/पढके फिर ही क्विज करें. इससे १००/१०० आना आसान हो जायेगा :-) धन्यवाद ओम शांति

*Q.1)* आज के वरदान के अनुसार किस बात की परहेज़ रखने से अखंड योगी बन जायेंगे ?

A. संगदोष में न आओ, दूसरों के अवगुणों को देखते, सुनते डोंटकेयर करो तो इस विशेषता से अखंड योगी बन जायेंगे

B. अच्छी रीती पढने और पढ़ाने से अखंड योगी बन जायेंगे

C. बाप दादा सामान निराकारी और निरहंकारी बनने से अखंड योगी बन जायेंगे

D. हिम्मत रख विकारों पर जीत पाने से अखंड योगी बन जायेंगे

*Q.2)* सुक्ष्मवतन का सिर्फ साक्षात्कार होता है. वहाँ न ब्रह्मा, न विष्णु, न शंकर है. प्रजापिता ब्रह्मा तो यहाँ है. सुक्ष्मवतन में है मूवी. यह समझने की बाते है

A. गलत

B. सही

*Q.3)* भक्ति मार्ग में शिवबाबा सबकी मनोकामना पूरी करने का पार्ट बजाते है तो उस समय क्या उनको यह संकल्प होगा की हमको भारत में संगम पर जाकर बच्चों को यह राजयोग सिखलाना है ? स्वर्ग का मालिक बनाना है ?

A. नहीं

B. हाँ

*Q.4)* तुम ब्राह्मणों के इस नये झाड की वृद्धि भी करनी है तो संभाल भी करनी है, क्यों ?

A. क्योकि यहाँ संगम पर नये युग की सैपलिंग लग रही है

B. क्योकि ब्राह्मणों के इस झाड की वृद्धि होकर देवताओ का राज्य स्थापन होना है

C. ○ क्योकि ब्राह्मणों को सारे संसार को परिवर्तन करने की जिम्मेवारी सौपी गई है

D. ○ क्योकि नये झाड को चिड़ियायें खा जाती है

*Q.5)* आज के वरदान के अनुसार किस विधि व्दारा अखंड पूज्य बनने वाली श्रेष्ठ महान आत्मा बन सकते है ?

A. ○ अखंड पवित्रत्रता के व्रत व्दारा

B. ○ अखंड योग की विधि व्दारा

C. ○ अखंड माया से निर्विघ्न रहने वाले अखंड पूज्य बनते है

D. ○ अच्छी रीती पढने और पढ़ाने की विधि व्दारा

*Q.6)* मुक्ति-जीवनमुक्ति गति-सद्गति यह अक्षर किस बात से जुड़े हुए है ?

A. ○ मुक्ति-जीवनमुक्ति गति-सद्गति यह अक्षर ही है सृष्टि चक्र को दर्शाने वाले

B. ○ मुक्ति-जीवनमुक्ति गति-सद्गति यह अक्षर ही है समय का परिचय देने वाले

C. ○ मुक्ति-जीवनमुक्ति गति-सद्गति यह अक्षर ही है शांतिधाम सुखधाम के.

D. ○ मुक्ति-जीवनमुक्ति गति-सद्गति यह अक्षर ही है सभी धर्मों को जोड़ने वाले

*Q.7)* इन्हें मिलाओ

| | Choice | | Match |
|---|---|---|---|
| A | बाप दादा समान | 1 | बादशाही लेनी है |
| B | हिम्मत रख | 2 | विकारों पर जीत पानी है |
| C | योगबल से | 3 | निराकारी और निरहंकारी बनना है |
| D | जितना पढेंगे पढ़ायेंगे उतना ही | 4 | ऊँच पद दैवी राजधानी में पायेंगे |

*Q.8)* ब्राह्मण झाड से निकले हुए पत्ते मुरझाते क्यों है ? कारण और निवारण क्या है ? (सही वाक्यों पर चिन्ह लगाएँ)

A. ☐ बाप जो ज्ञान के वंडरफुल राज सुनाते है वह न समझने के कारण संशय उत्पन्न होता है इसलिए नये नये पत्ते मुरझा जाते है फिर पढाई छोड़ देते है

B. ☐ इसमें समझाने वाले बच्चे बहुत होशियार चाहिए. अगर कोई संशय उठता है तो बड़ों से पूछना चाहिए. उत्तर नहीं मिलता तो बाप से भी पूछ सकते है

C. ☐ धारणा और योग का पानी न मिलने के कारण पत्ते मुरझा जाते है. ज्ञान और सेवा के साथ साथ योग और धारणा पर भी ध्यान देना है.

D. ☐ चलते चलते बच्चों को माया के तूफ़ान लगने से पत्ते मुरझा जाते है. माया से बचने के लिए नोलेजफुल बनना है

*Q.9)* आज के स्लोगन के अनुसार साइलेंस की शक्ति का आधार क्या है ?

A. ○ दिव्य जीवन

B. ○ दिव्य बुद्धि

C. ○ दिव्य गुण

D. ○ दिव्य नेत्र

*Q.10)* अभी कलियुगी दुःख के समय किस बात का सिमरन कर सदा ख़ुशी में रहना है ?

A. ○ हिम्मत रख विकारों पर जीत पाने से हम विश्व के मालिक बन जायेंगे इस स्मृति से सदा ख़ुशी में रहना है

B. ○ हमें इन दुखों से छुड़ाने के लिए भगवान् आए है इस स्मृति से सदा ख़ुशी में रहना है

C. ○ दुःख के समय अपार सुखों की जो लाटरी मिली है, एक बाप से सच्ची प्रीत हुई है, उसका सिमरन कर सदा ख़ुशी में रहना है

D. ○ अब सुख के दिन आए की आए, इस बात का सिमरन कर सदा ख़ुशी में रहना है